

ॐ नमस्तुभ्यं वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ यथा धर्मो रक्षति रक्षितः ॥  
॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥















विहं ३ रुट्वादा ॥ उं सो विहं ३ रुट्वादा ॥ उं वनालिहं ३ रुट्वादा ॥ उं द्यमलिहं ३ रुट्वादा ॥ उं यव  
 कसिहं ३ रुट्वादा ॥ उं भावविहं ३ रुट्वादा ॥ उं चमलिहं ३ रुट्वादा ॥ उं शिविहं ३ रुट्वादा ॥  
 ॐ निमने यथा ह्यनंगो यो दीनां ॥ न नावाकादिमर्चयूजादिनि ॥ संयुक्तगुणकनगादिमययदानमने  
 वा उं गृहाननायहं ३ रुट्वादा ॥ उं यिहृद्धकभावननहं ३ रुट्वादा ॥ उं चनुविषमिननायहं ३  
 रुट्वादा ॥ उं वाठममुजायहं ३ रुट्वादा ॥ उं कृष्णीमगवयूषहं ३ रुट्वादा ॥ उं कयालमालान  
 कक्षागिहो कहं ३ रुट्वादा ॥ उं आध्यानकुचविहयहं ३ रुट्वादा ॥ उं मृद्धेद्वंद्विहं ३ रुट्वादा

हा ॥ ॐ निमने धर्मसुखयथा योगमन्युनमुनियुनिधनदिक्कदत्वाशनाद्वचमनेष्टहीकृया  
 नामकु ॥ उं वजसत्त्वसमयमयालयवजसत्त्वनायमिहृद्धामरुवसुनाथा मरुवद्वदयमरुव  
 अनुवका मरुव सर्वसिद्धिमययच्छ सर्वमसकसिहं ॥ इय ॥ कृचहं रुह रुहा ॥ मरुवमरुव सर्वमथाग  
 नवजसा ममूक वजीरुवमहासमयसत्त्व ॥ ॐ नि ॥ नम ॥ रुनाव ॥ सर्वसत्त्वार्थसिद्धिदत्तायथान  
 गागच्छ ध्वं वृद्धविषयपूजागमनायचमूविनिविहृद्धं नंदकुमात्मन्यनरावा ॥ अवालायादिकं कृया  
 न ॥ नेवात्मायूजामयि ॥ नथे वमधुलकमयविर्याया यवमधुलवर्क गुदवसुहना लामकु ए नायिक



25

24

[illegible]

नमः यथा यथा मंदम् अस्मिन् खलु नास्ति मूर्धन्यवद्विनास्ति विहीनस्यैव का उरयं करो ॥ शुलरिनाद्वदवा ॥  
पाटलाकं कलिदूटिनीषादस्य च तदा ज्येष्ठनावा कथिलयादया ॥ यद्यकमधममद्विषमाजीवरु  
ल्लवाद्याश्च गुरुद्वजुकनयिष्ठासमत्वा महद्वि कायका ॥ समनमश्नुमिष्ठा नायकश्च गमलगुरु  
द्वोद्वका वायुसंस्थानव नाउरुगादया ॥ अग्निः ॥ ॥ ॐ निमहा मायादद्यात्संज्ञानी ॥ ॐ ॥  
नमस्तु वज्रवादी वरुणी वविनाशिनी सर्वसिद्धिप्रदा नायकवृद्धा किनी नमः सदा ॥ ॐ ॥ नमस्तु  
सुमहादवी महामाया महेश्वरी सर्वभूतनिर्मुक्तगात्रा नानासुखा ॥ ॐ ॥







वदुःखं यन्मोक्षो नीलमुत्तमं यत्नीलं ॥ सर्वार्थदीयकं यत्प्राप्तं यत्प्राप्तं ॥  
दयदवीमाहाविष्णो तामाभिदं ॥ खड्गं कया लवी वाक् खड्गं खड्गं विग्रहा ॥ नमो रुद्रा महा  
वीलकाय वाकचिह्नकं माकाकागुंदी दुर्गाया सात्मा सा शुक्ला नना कमदाते कमदाते मडा  
मडाते यमाकाकी प्रगादवी सुमत्यामिदिकि वीकवीला थी हं विलाखी नाथ हर्षं यलमभिल  
गुहिरं हवति चकज्जलया विती यतिदं मुनं नयनलाका सुवज्जका जगन्गुन ॥ ० ॥

[illegible]



नल्यः टयदं गुमय १ दं ग ट द्रां मां ॥ हनीयां मां लामन ॥ ० ॥ ॥ कृमिय  
 सवलातामां मां नमः ॥ वि (अव नमः ॥ ३ ॥ कृमिय वलदं यः ॥ ३ ॥ ॥ गव लदं  
 यः ॥ ३ ॥ यी गव लदं यः ॥ ३ ॥ य का व ल दं यः ॥ ३ ॥ मा व ल दं यः ॥ ३ ॥ द वी ना तु मा मा  
 नमः ॥ ३ ॥ व द य गिनी दं यः ॥ ३ ॥ लमन ॥ ३ ॥ य कृ याली म न दं यः ॥ ३ ॥ दिनी य म  
 लमन ॥ ३ ॥ वी द वि दं यः ॥ ३ ॥ हनीय म लमन ॥ ३ ॥ यि व १ य कृ व द नि द ल द ल म व

हा वा जन ॥ ग म न य दानि रु व नि ॥ ग द य ॥ ३ ॥ म दिय अ हं ॥ य मिय द धि कि म धू म मिय धु  
 ल का धु ल य क वि दान द ॥ ३ ॥ मां व उ द वि म द वि द्या मू की ध नि ॥ म न सि क वि य कि य ऊ  
 वा य नि ॥ अ द व र य क व जन ॥ वा धि मू की य वा ज रु या ल यी व रु या ल उ द क रु या ल ॥  
 य रु थि क रु या ना ॥ द व ना वा र्य क वा धु वी धु व वा धु कि र्व म द वा ॥ म नू य म नू य  
 रु य रु १ र्दि य द्यु र्दि य म द मू ग रु लि ग धु क म दि य म र्व द य रु १ र्दि य ३ ॥ मां म नू य दः



यमि ॥ कामि यमि ॥ सक धास्य मूर्द्धा यारु टय कुरु म कुरु यदा ॥ रुडारु वमि ॥ ग इ था ॥  
 जमु च ड का का का ॥ चि चि क क कि ॥ टज वमि ॥ उ स यमि ॥ न मा वू धाय रु ग व क न का  
 रि फ क ल स्य यमि द्या ना था य रा म न ॥ द हि क क ल यमि द्या ना था य रा म न ॥ ए व दः ३३  
 मि क स्य मूर्द्धा रि क मि ॥ चारु म मि च ॥ अ क्ति ला ग स्य द क वा ग स्य मू ख ॥ ला वा स्य सि  
 द्दी वा ग स्य उ द ल गु ल स्य अ ना हि क स्य वि शु चि क स्य ना द मान दु स न नू य स्या मि सत्य